कामुकता की इन्तेहा-19

“मैं अपने यार से चुदने गयी थी. उसने अपने दोस्त को भी बुला रखा था. दोनों ने मिलकर मेरी चूत गांड में एक साथ लंड डालकर मुझे कैसे फाड़ के रख दिया. इस हॉट सेक्स स्टोरी में ! …”

Story By: (rupinderkaur)
Posted: Monday, April 27th, 2020
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: कामुकता की इन्तेहा-19

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कामुकता की इन्तेहा-19

 यह कहानी सुनें

> मैंने हैरान परेशान होकर अपने हाथ फुद्दी के आस पास धरे और अपनी पहले से खुल चुकी फुद्दी को और चौड़ा कर दिया। ढिल्लों से मेरी फुद्दी के अंदर थूका और अपना हथियार बीचोंबीच सेट कर दिया और एक धक्का मारा।

10 इंच में से 7-8 इंच लौड़ा पहली बार में ही मेरी फुद्दी में धंस गया और मेरी हल्की सी चीख निकल गयी और मैंने अपने हाथ हटा लिए।
लेकिन ढिल्लों ने फिर कहा- चौड़ी करके रख साली!

मैंने फिर उसका हुक्म माना और हाथ नीचे लेजाकर फिर उसी तरह से फुद्दी चौड़ी कर ली. लेकिन इस बार मैंने हाथ से ढिल्लों का लौड़ा और अपनी फुद्दी उस पर चढ़ी हुई भी महसूस की।
हालांकि मेरी फुद्दी का बाहरी छल्ला अब भी उसके लौड़े को जकड़े हुए था लेकिन मैंने महसूस किया कि मेरी फुद्दी उसके लौड़े के हिसाब से खुल चुकी है।

खैर जब मैंने उसके हलब्बी लौड़े को अपनी उंगलियों से महसूस किया तो मैं हैरान भी थी कि इतना बड़ा लौड़ा कैसे मेरी फुद्दी में अब आसानी से जा रहा था। इसका मतलब यही था कि अब मैं एक रात में ही पहले जैसी औरत ने रह गयी थी।

2-4 पलों की चेकिंग के बाद मैंने फुद्दी अच्छी तरह से चौड़ी करने की कोशिश की मगर वो तो पहले से ही बहुत खुली थी। खैर ढिल्लों ने सिर्फ एक वार और किया और लौड़ा 10 का

10 इंच फुद्दी में पेवस्त हो गया।

इस गहरे वार के बाद ढिल्लों रुक गया और उसने मुझे अपनी जांघों के दम पर ही पूरी तरह से कस लिया ताकि लौड़ा रत्ती भर भी बाहर न आ सके। मैं हैरान थी कि ये वो कर क्या रहा था। लेकिन मेरी हैरानी कुछ पलों की ही थी क्योंकि आधा एक मिनट इसी दाव में रह कर ढिल्लों से अपनी पूरी ताकत इकठ्ठी करके मेरी फुद्दी में झोंक दी, जैसे उससे कोई बदला लेना चाहता हो।

अब वो मुझे इतनी तेजी से पेलने लगा के मेरे छक्के छूट गए। उसका हर एक धक्का इतना मजबूत था कि बेड भी चीखने लगा था। मुझे अपनी पूरी हस्ती में सिर्फ मेरी फुद्दी महसूस हो रही थी।
ढिल्लों ने मेरे जिस्म का पोर पोर हिला दिया था। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था और उसकी इस वहशत से मैं डर गई थी और मेरे जिस्म में मज़े के साथ एक तरह का डर भी शामिल हो गया।
खैर मैं इस राउंड में मैं पहली बार इसी हालत में झड़ी, लेकिन इस रात पूरी तरह नुचडी हुई होने के कारण पानी नहीं निकला.

हां … झड़ने का एक फायदा तो हुआ कि फुद्दी में गीलापन सा आ गया जिसके कारण ढिल्लों का हलब्बी लौड़ा आराम से अंदर बाहर होने लगा। इससे पहले मुझे अपनी फुद्दी ज़रा सूखी सूखी सी लग रही थी और लग रहा था जैसे फुद्दी छिल गई हो।

ढिल्लों लगातार 3-4 मिनट तक मुझे ताड़ ताड़ करके चोद रहा था और मेरा जिस्म बेड पर पूरी तरह से हिल रहा था, बूब्स का तो कोई हाल ही नहीं था।

ऐसी चुदाई आपका वजूद हिला देती है और ऐसा मेरे साथ भी हो रहा था। मुझे पहले इस बात की कोई खबर नहीं थी कि इतनी वहशत से भी कोई चोद सकता है।

ख़ैर इस वहशत से डर कर मैंने कुछ बोलने की कोशिश की, लेकिन अगर आप की फुद्दी में कोई पौने फुट का मोटा लौड़ा पिस्टन की तरह चल रहा हो और उस मोटे लौड़े का मालिक भी जिस्म में आपसे दुगना तगड़ा हो तो सिर्फ चीखें ही निकल सकती हैं, जो मेरी भी निकलने लगीं।

मैंने अपनी इज़्ज़त की बिल्कुल परवाह न करते हुए ज़ोर ज़ोर से चीखना शुरू कर दिया- ओह … आह … ओअह!
मेरी चीखें इतनी तेज थी कि शायद उन्हें अब आधा होटल सुन सकता था।

लेकिन हैरानी की बात ये थी कि ढिल्लों और काले ने मुझे रोका नहीं। आखिर ढिल्लों एकदम रुका और मुझे पकड़ कर बिजली की रफ्तार से पलटी मारी मुझे अपने ऊपर ले लिया. लौड़ा उसी तरह फुद्दी में पेवस्त था।

और अगले ही पल मेरी पीठ को दोनों हाथों से कस के पकड़ के नीचे से पूरा लौड़ा बाहर निकाल निकाल कर 4-5 तूफ़ानी घस्से मारे और फिर एकदम मुझे अपने साथ चिपका लिया जिसके कारण मेरी गान्ड का छेद कोई भी आसानी से देख सकता था।

इसके बाद वो अपने दोनों हाथ मेरे दूध से गोरे पिछवाड़े पर ले गया और मेरी गांड के पास करके उसको बहुत जोर से फैला दिया और काले को आवाज़ दी- आजा ओये, जोड़ तांगा, इसकी मां की …

काला ऊपर चढ़ आया और अपना तना हुआ मोटा काला हथ्यार गांड पर रख दिया और एक घस्सा मारा लेकिन डर के कारण मेरी गांड पूरी तरह भिंच गयी और लौड़ा सरक गया। ऐसा 2-3 बार हुआ।

फिर एकदम से ढिल्लों ने काले को इशारा किया कि तेल लगा ले।

काले ने उसका कहा माना और लौड़ा सरसों के तेल से तरबतर कर लिया।

इसके बाद वो फिर आया लेकिन नतीजा कुछ नहीं, मगर हां इस बार जब सब दबाव बनाया था तो गांड का छल्ला खुला ज़रूर था जिससे मेरे निढाल शरीर में दर्द की एक टीस दौड़ी थी।

दरअसल हो यह रहा था कि ढिल्लों का मूसल जड़ तक अंदर घुसा हुआ था जिसके कारण गांड बिल्कुल बन्द हो गयी थी।
ढिल्लों ने इस बात को समझा तो उसने एकदम से मेरी फुद्दी को खाली कर दिया और काले से कहा- अब आ, जब पूरा घुस जाए तो बताना!
फिर मुझसे कहा- ओये बहनचोद, ढीली छोड़ इसको, नहीं तो सूखी मरवाऊंगा.

और फिर अपने हाथों से गांड चौड़ी करने की कोशिश की। लेकिन डर के कारण मैं फिर ढीली न छोड़ सकी तो उसने अपनी उंगलियों से मेरी गांड पर ऐसी चिकोटी काटी कि मैं बुरी तरह हिल गयी और मैंने बिन बोले के गांड ज़ोर लगा कर गांड ढीली छोड़ दी।

ढिल्लों ने अब थूक लगा कर दो उंगलियां अंदर घुसेड़ी तो उसको यकीन आ गया और फिर उसने काले को इशारा किया।

काले ने अपना सरसों के तेल से सना हुआ लौड़ा मेरी गांड के छेद पर रखा, इस बार अपना लौड़ा उसने कस के पकड़ा हुआ था कि हिल न सके, छेद पर रखके उसने एक ऐसा धक्का मारा कि मैं चिर गयी। मेरे मुंह से एक वहशियाना चीख निकल कर फिर हलक में ही दब गई।
मैंने इतना दर्द कभी ज़िन्दगी में बर्दाश्त नही किया था।

अब मुझे यों लग रहा था कि ये मुझे मार देंगे आज!

लेकिन आपको भी पता है कि ऐसे चुदाई से कोई लड़की नहीं मरती।

खैर उसके इतने तेज़ और शक्तिशाली वार के बावजूद भी लौड़ा 4-5 इंच ही अंदर गया था। इस शॉट से दर्द काले को भी हुआ था, जिसके कारण उसके मुंह से निकला- साले, छिल गया मुझे लगता है, इसकी तो हालत खराब हो गयी है, क्या करूँ।

लेकिन ढिल्लों ने मुझपर कोई रहम न दिखाया और उससे कहा- पूरा जाने दे अंदर, कुछ नही होगा, बस 2-3 मिनट चीखेगी।

दरसअल ढिल्लों मेरी गांड मार चुका था लेकिन अब मुझे अच्छी तरह से पता चल चुका था काले का लौड़े उससे मेरी उम्मीद से ज़्यादा मोटा है।

खैर काले ने उसकी बात मान कर दांत भींच लिए और 5-6 घस्सों की जबरदस्त मेहनत के बाद एक आखरी घस्सा मारा और जब उसके टट्टे मेरे पिछवाड़े से टकराये तो मैं आधी बेहोशी की हालत में चली गयी और मैं चाहते हुए भी न चीख सकी।

जब काले का लौड़ा पूरी तरह मेरी गान्ड में पेवस्त हो गया तो वो वैसे ही रुक गया और उसने ढिल्लों से कहा- जड़ तक पेल दिया है, आने दे तू भी !

यह सुनकर ढिल्लों के जिस्म में हरकत हुई और उसने मुझे हल्का सा ऊपर उठा कर अपना लौड़ा मेरी फुद्दी पर सैट किया और मुझे आराम से अपने ऊपर बैठा लिया ताकि लौड़ा बाहर ना निकले।

तो दोस्तो अब एक बार फिर मेरी धुआंधार डबल चुदाई का सिलसिला शुरू हो गया।

दोनों दोस्त बड़े माहिर खिलाड़ी थे. पहले दो चार मिनट तो वे मुझे आराम से धीरे धीरे चोदते रहे क्योंकि उनको पता था कि डबल चुदाई में औरत की मां भी चुद जाती है।

2-4 मिनट इसी तरह धीरे धीरे चोदते हुए एकदम काले ने अपना पूरा लौड़ा झटके से बाहर निकाल लिया और कहा- रुक यार ढिल्लो, छिल गया है भेंचो।

ये कहकर वो जल्दी जल्दी उठा और सरसों के तेल की उठा लाया और सीधे मेरी गांड खोल कर अन्दर उड़ेल दी। जितना तेल मेरी गांड की गहराई में जा सकता था गया, और जब तेल बाहर रिसने लगा तो उसने शीशी का मुंह गांड से बाहर निकाल लिया।

दरअसल दर्द से तो मेरा भी बुरा हाल था और जैसे ही मैंने काले के इरादे को समझा तो मैंने गांड पूरी तरह ढीली छोड़ दी ताकि ज्यादा से ज्यादा तेल अंदर जा सके और दर्द कम हो।
मेरी इस हरकत के कारण शीशी का काफी तेल अंदर चला गया और लगभग 10-15 सेकेंड के बाद तेल बाहर शुरू हुआ।

खैर अब मुझे भी अब तसल्ली हो गई थी कि मेरी गांड को अच्छी तरह ग्रीस कर दिया गया था और अब पौने फुट का मोटा काला पिस्टन अच्छी तरह मेरी सर्विस करेगा।

तो चलो उन दोनों ने अच्छी तरह से घोड़ी को तांगे पर जोड़ लिया और मुझे आराम से पेलने लगे।
एक बार फिर उन्होंने पहले लगभग 5-7 मिनट मुझे बड़े प्यार से पेला।

इसके बाद ढिल्लों ने काले से कहा- एक एक करके!

मुझे पहले तो बात समझ नहीं आई लेकिन अगले ही पल मेरी चुदाई इस तरह होने लगी कि जब काला अपना लौड़ा लगभग टोपे तक बाहर निकाल लेता तो ढिलों अपना मूसल जड़ तक फुद्दी में पेल देता और जब धिलों का लौड़ा बाहर निकलता तो काला गांड की गहराई तक अपना पिस्टन ठोक देता।

इसी तरह दो तीन मिनटों के बाद उनकी स्पीड पूरी तेज ही गई और मैं कामुकता के समंदर में एक बार फिर गोते लगाने लगी।

अगले पांच सात मिनट में उन दोनों की ताल बिल्कुल सैट हो गई और वो मुझे पूरा ज़ोर लगाकर ठोकने लगे।

दरअसल दोस्तो, पहले तो मैं उन दोनों से एकसाथ इस हालत में चुदाई करवाने से डर रही थी लेकिन अब तो मैं हवा में उड़ने लगी थी। मेरी सारा वजूद फुद्दी और गांड में आके सिमट गया था।
अब मेरी ठुकाई इतनी तेज़ी से हो रही थी कि मुझे पता ही नहीं कब फुद्दी में लौड़ा जा रहा है और कब गांड में। बस नीचे से सब कुछ भरा भरा सा लग रहा था। मेरी आंखें अब पूरी तरह बंद हो चुकी थीं और मैं उन दोनों सांडों के बीच पिसी हुई बिना किसी की परवाह करते हुए ज़ोर ज़ोर से 'आअह … आऊह … हाँआह' करने लगी।

अगले दस पंद्रह मिनटों की चुदाई के बाद मेरा जिस्म कमान की तरह अकड़ गया और मेरे मम्मे ढिल्लों की छाती में बुरी तरह धंस गए.
और मैं एक बार फिर लगभग चीखती हुई लंबी 'आह …' के साथ झड़ी।

जब ढिल्लों ने मुझे झड़ते हुए महसूस किया तो उसने भी पैंतरा बदला और काले से कहा- अब एक साथ जाने देते हैं!
अगले ही पल ढिल्लों और काला दोनों एकसाथ अपने लौड़े बाहर निकालते और एक साथ ही अंदर ठूंस देते।

दोस्तो, ये नज़ारा तो भी खूब साबित हुआ। जब दोनों के बाहर निकलते तो मेरी फुद्दी और गांड में एक बहुत बड़ा खालीपन महसूस होता। लेकिन जब दोनों अन्दर जाते तो वहीं खालीपन ठूंस के भर दिया जाता।

दरअसल इस तरह कसावट भारी चुदाई होने के कारण मेरी क्लिट यानि कि दाना ढिल्लों के लौड़े पर बहुत बुरी तरह घिसने लगा और अगली बार तो मैं उनके दस पन्द्रह घस्सों के साथ ही झड़ गई।
जब मैं दूसरी बार चीख के झड़ी तो दोनों नशई सांड मुझे इतनी तेज़ी से चोदने लगे कि मेरी सुधबुध ही गुम हो गई और मैं बावरी हो गई और पता नहीं क्या क्या बकने और चीखने लगी।

इस बार वो मुझे इतनी वहशत से चोदने लगे कि दोनों सांडों के मुंह से हाफनें की आवाज़ें आने लगीं। अगले लगभग पच्चीस तीस घस्सों में दो बार फिर झड़ी लेकिन दोनों बार फुद्दी तर नहीं हुई क्योंकि मेरा इंजन ऑयल तो खत्म हो गया था।

खैर जब मैं दूसरी बार झड़ी तो मेरी बस ही गई और मैंने चीखते हुए ढिल्लों से इल्तज़ा की- कर दो अब यार, बहुत बजा चुके हो!

मेरे ये कहते कहते ही काला मेरी गान्ड में ऊंची ऊंची हांफता हुआ झड़ गया और उसका गर्म गर्म लावा मुझे अपनी गांड में महसूस हुआ। मुझे कुछ राहत की सांस महसूस हुई। काले की 'हूं ... हूं ...' से ढिल्लों समझ गया कि वो झड़ चुका है जिसके कारण उसने काले से कहा- अंदर ही रखना!
और खुद नीचे से फौलादी तीक्ष्ण घस्से मारने लगा.

अगले 4-5 मिनट में मेरी फुद्दी भी वीर्य से तरबतर हो चुकी थी।

तो दोस्तो, अब मेरी जान में जान आयी और मैं निढाल होकर उसी तरह ढिल्लों के ऊपर पड़ी रही।

कुछ देर बाद ढिल्लों ने मुझे नीचे उतारा और साइड पर लेटा दिया और नीचे पड़ी चादर से

मेरी फुद्दी और गांड को अच्छी तरह से साफ कर दिया और मुझ पर एक और चादर से दी और खुद पता नहीं पैग लगाते हुए क्या क्या बातें करते रहे।

मुझे भी एकदम से नींद आ गई।

और जब मेरी सुबह जाग खुली तो मैंने पाया के मैं उसी तरह अलफ़ नंगी उन दोनों सांडो के बीच घी खिचड़ी हुई पड़ी थी।

जब मेरी घड़ी पर निगाह पड़ी तो दोपहर के 2 बज चुके थे। मैं जैसे तैसे लंगड़ाती फिसलती हुई बाथरूम तक गई और गर्म पानी का शावर आन करके लगभग आधा घंटा नीचे बैठी रही और तब जाकर मुझे होश आया

जब मुझे अपनी गांड में कुछ मिर्ची महसूस हुई तो मैंने हाथ लगाकर देखा कि गांड इतना तेल लगाने के बाद तो बुरी तरह छिल गई थी.
और फुद्दी का तो कोई हाल ही नहीं था।

जब मैंने अपनी दो उंगलियों से फुद्दी चेक करने की कोशिश की तो मुझे अचानक पता चला कि पिछले पंद्रह बीस घंटों में उन दोनों ने फुद्दी का दाना यानी क्लाइटोरिस आधा इंच बाहर निकाल दिया था जो बुरी तरह सूजा हुआ था। मैं थोड़ा डर गई लेकिन अब मैं कर भी क्या सकती थी।

खैर मैं अच्छी तरह नहाई धोई और फिर मैंने दोनों सांडों को भी उठाया और उनसे विनती की कि मुझे जल्द जल्द मेरे घर के पास छोड़ दें।

परन्तु ढिल्लों का मन एक और राउंड खेलने का था. लेकिन मैंने एक ना सुनी और बवाल मचा दिया।

इसके बाद उन दोनों ने मुझे गाड़ी में बिठाया और उन्होंने मुझे बिल्कुल मेरे घर के पास जाकर ड्रॉप कर दिया।

तीन घंटों के सफर में ढिल्लों ने मुझसे वादा किया कि अगले हफ्ते वो मुझे मेरे घर आकर चोदेगा।
मैंने उससे विनती की कि पंद्रह दिनों से पहले वो मेरे घर ना आए क्योंकि फुद्दी और गांड को सैट होने में मुझे पता था कि इतने दिन तो लगेंगे ही।

अगले दस दिनों में ही ढिल्लों ने मेरे पति के बारे में अच्छी तरह से पता करके उसे अपना दोस्त बना लिया और उसने मुझे आने से 4 दिन पहले फोन करके बता दिया था कि मैंने तेरे पति को कांफिडेंस में ले लिया है उसने मुझे इस तारीख को लंच पर बुलाया है।

मेरी बांछें खिल गईं … मुझे यूं महसूस हुआ कि मैं ढिल्लों की नई नवेली दुल्हन हूं।

इससे आगे की मेरी कहानी आप कुछ दिन बाद नए नाम से पढ़ सकेंगे.
ऊपर से नीचे तक आपकी
rupkaur050@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाई और आशिक ने की 3 सम चुदाई-1

नमस्कार दोस्तो, मैं आप लोगों की प्यारी मधु अपनी आत्मकथा में एक बार फिर तहेदिल से आप सभी का स्वागत करती हूँ और उम्मीद करती हूं कि आप लोग अच्छे और स्वस्थ होंगे. आप लोगों ने मेरी पिछली सेक्स कहानी […]
Full Story >>>

बिजनेस बचाने के लिए अफ्रीकन लंड से चुद गयी-4

अब तक की चुदाई की कहानी में आपने पढ़ा था कि मैं अपने दूसरे अफ्रीकन क्लाइंट थॉमस के साथ चुदाई के लिए बिस्तर पर आ गई थी. अब आगे : उसके बाद थॉमस और मेरा फोरप्ले शुरू हुआ. थॉमस मुझे इधर […]
Full Story >>>

जवान मामी की चुत को लंड की जरूरत-3

नमस्कार दोस्तो, आज मेरी इस सेक्स कहानी का अगला पार्ट आपकी सेवा में हाजिर कर रहा हूँ. अब तक आप लोगों ने पढ़ा था कि कैसे मेरे और मामी के बीच बातचीत होना शुरू हुई और मेरे मामा की सूरत […]
Full Story >>>

बिजनेस बचाने के लिए अफ्रीकन लंड से चुद गयी-3

मेरी सेक्स कहानी में अब तक आपने पढ़ा कि अफ्रीकी रॉबर्ट ने मुझे अपने लम्बे मोटे लंड से दो बार चोद लिया था. अब वो मेरी गांड मारने के लिए मुझसे कह रहा था. अब आगे : मैंने रॉबर्ट का लंड […]
Full Story >>>

बिजनेस बचाने के लिए अफ्रीकन लंड से चुद गयी-2

अब तक की सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि एक अफ्रीकन हब्शी मेरे बिजनेस के लिए एक डील करने वाला था और वो मुझे चोदना चाहता था. अब आगे : उस अफ्रीकन क्लाइंट रॉबर्ट ने व्हिस्की के गिलास को होंठों […]
Full Story >>>